Demand to take effective steps to save the Simlipal biosphere reserve in Orissa from destruction

MS. SUSHILA TIRIYA (Orissa): Sir, Simlipal National Park and Tiger Reserve is also a Biosphere Reserve. This National Park has a prestigious status of Biosphere Reserve of international repute, as has been declared by the UNESCO. This unique tourist destination is situated in Mayurbhanj, Orissa which has rich flora and fauna along with rich mineral deposits. The primitive tribes have been part and parcel of this National park since ages.

The present condition of Simlipal is in total distress due to the ruthless plunder which has taken place by the Naxals and is under total seize of Naxals. Since March 2009, the Naxals have literally taken control of the entire National Park and have destroyed the peace and tranquillity of the forest by indulging in widespread destruction of towers, buildings, forest beat houses and offices. They have traumatized the forest officials to such an extent that they have fled away from the forest.

Taking advantage of these situations, the poachers, along with wood mafias, have started plundering the forest. The State and the District Administrations are silent spectators to this rapid destruction of the National Park. No constructive measures have been taken by them to bring back normalcy to this National Park. They left all the things to the mercy of Naxals, Maoists, Poachers and Wood Mafias, The beautiful creation of the nature should be maintained.

So, the Central Government should immediately intervene in this matter which is of great importance for the interest of the public and the nation as a whole. Thank you.

श्री रुद्र नारायण पाणि (उड़ीसा) : महोदय, मैं इसका समर्थन करता हूं।

श्री श्रीगोपाल व्यास (छत्तीसगढ़) : महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री भागीरथी माझी (उड़ीसा) : महोदय, मैं भी इसका समर्थन करता हूं।

Demand to improve the railway infrastructure in the country

श्री राम नारायण साहू (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति महोदय, मैं सहमत हूं कि रेल बजट कर्णप्रिय एवं लुभावना था। यदि पिछले बजट की घोषणाओं जैसे – कुल्हड़, चोखावाटी, खादी को कितना निभाया, इनकी जानकारी मिलती, तो अच्छा होता।

महोदय, भारतीय रेल का बुनियादी ढांचा जैसे रेल पटरियां, इंजन डिब्बे, आवासीय कॉलोनियां, स्टेशन भवन आदि आजादी से पूर्व अंग्रेजों के समय बनाए गए थे। अब तक या तो इनकी जीवन अवधि समाप्त हो गई है या वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप नही रहे। विगत पच्चीस वर्षो मे ही रेल यात्रियों का आवागमन दो गुणा एवं माल ढुलाई चार गुणा हो गई है, जबकि बुनियादी ढांचा या तो कम हुआ है या उसमें बढ़ोत्तरी नगण्य है। उदाहरणार्थ अंग्रेज जाते समय तक 54000 कि.मी. रेल पथ बनाकर गए थे, और हम अब तक 63000 कि.मी. तक रेल पथ बना पाए हैं। वर्ष 1980 में हमारे पास 10000 रेल इंजन थे, जो अब 8025 रह गए हैं। अतः लगभग 2000 इंजन कम हो गए हैं। अब तक रेल एवं भेल मिलकर 250 इंजन ही बनाते हैं। सुपरफास्ट गाड़ियों की औसतगति 50 कि.मी. तथा

मालगाड़ी की 24 कि.मी. प्रति घंटा है, जो ट्रैक्टर की गति के बराबर है, जबकि बजट में सुपरसोनिक गति के सपने दिखाए गए हैं। बजट घोषणाएं जन-मानस को सतही तौर पर प्रफुल्लित कर सकती हैं, परन्तु देश का स्वरूप बदलने में सक्षम नही हैं। 25 रुपए में मासिक पास देना प्रशंसनीय है, परन्तु गाड़ी में बैठने का स्थान उपलब्ध कराना उससे भी जरूरी है। दैनिक सवारी डिब्बों में यात्री भेड़-बकरियों की तरह भरे जाते हैं। सरकार को इस पहलू पर भी ध्यान देना चाहिए। माल गाड़ी के डिब्बे केवल मोटे उत्पाद जैसे कोयला, सीमेंट, लोहा, खाद आदि ढोने के योग्य हैं। इसीलिए माल भाड़े का 45 प्रतिशत भाड़ा केवल कोयला ढुलाई से आता है। मालगाड़ियों के डिब्बों को अन्य उत्पादों की ढुलाई के अनुरूप बदलने एवं व्यापारियों की सुविधा के अनुसार सेवा सुनिश्चित करना आवश्यक है।

उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह रेल ढांचे को इक्कसवी सदी की आवश्यकता के अनुरूप बढ़ाए बदले एवं आधुनिकीकरण करे। धन्यवाद।

Demand to provide medical help to cure the people suffering from an unidentified disease in Kandhamal District of Orissa

SHRI RAMA CHANDRA KHUNTIA (Orissa): Sir, thirteen persons including eleven children died in Daring Badi of Kandhamal district in Orissa suffering from an unidentified disease. About hundred more are affected. The State Health Department is unable to control the disease and is saying that it could be Malaria or some sort of fever. It is spreading like wild fire from one village to another. This part is also affected by Naxal violence. Neither the affected people are willing to go to the Daring Badi Health centre nor the mobile health centre is reaching the affected persons. The situation is very alarming.

I urge upon the Government to send a team of doctors with sufficient medicine and CRPF police protection to help the affected persons in Daring Badi in Kandhamal district of Orissa.

Demand to withhold disinvestment in Coal India Limited

श्री आर.सी. सिंह (पश्चिमी बंगाल) : सर, मैं बड़े दुख और अफसोस के साथ इस माननीय सदन का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि Coal India Limited Company और देशवासियों के विरोध के बावजूद कोयला मंत्री Coal India Limited में विनिवेश करने पर आमादा है। कल और परसों मीडिया में भी यह खबर आई है कि CIL में 10 प्रतिशत शेयर का विनिवेश करने के लिए कोयला मंत्रालय प्रधान मंत्री से शीघ्र मंजूरी लेगा। मंत्री जी का कहना है कि कम्पनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इस संबंध मे अपनी संस्तुति दी है। वास्तविक सच्चाई यह है कि CIL के बोर्ड पर ऐसा प्रस्ताव पारित करने के लिए दबाव डाला जा रहा है। यह कम्पनी, उसके कर्मचारी और देश हित में नहीं है। हम CIL में किसी भी तरह के विनिवेश का विरोध करते हैं। CIL एक नवरत्न कम्पनी है और पिछले साल इसने 8700 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है।

सर, जब संसद का सत्र चल रहा हो, तो यह सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि किसी भी तरह के पॉलिसी डिसीज़न के बारे में सबसे पहले संसद को सूचित करे, लेकिन संसद की अवहेलना करके कोयला मंत्रालय ने यह प्रस्ताव बनाया है और शीघ्र ही यह उसे वित्त मंत्रालय की अनुमति के लिए भेज रहा है।

सर, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं और अपील करता हूं कि वह CIL में विनिवेश न करे। यह न केवल इस कम्पनी के हितों के विरुद्ध है, बल्कि देश और देशवासियों के हित में भी नहीं है।